Tel: 0294-2470837 (O), 2471056 (Fax):, email: ctaedean@gmail.com
COLLEGE OF TECHNOLOGY AND ENGINEERING
Maharana Pratap University of Agriculture and Technology
UDAIPUR – 313001 (India)

*Dr. S.S. Rathore*
*Professor & Dean*

No.CTAE/Gen/2017/…….....
Dated: 14.02.2017

# प्रेसविज्ञप्ति

## सी.टी.ए.ई सूचना के अधिकार एवं केशलेश प्रकिया द्वारा पारदर्शिता विषय पर कार्यशाला का प्रथम दिन

प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय में सूचना के अधिकार एवं केशलेश प्रकिया द्वारा पारदर्शिता पर 14 फरवरी, 2017 को कार्यशाला का आयोजन टेक्यूप परियोजना के तहत् किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जे पी शर्मा ने सरस्वती मॉ के समक्ष दीप प्रजवलित किया। मुख्य अतिथि के तौर पर प्रो. जे पी शर्मा ने बताया कि भविष्य में अधिकारियों को सावधानी पूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है। क्योकि आनेवाले समय में सभी कार्य पेपरलेश हो जायेंगे। जिससे कि सिस्टम में पारदर्शिता बढ़ेगी, उन्होने बताया कि आज का युग सूचना तकनीकी का है जिसके तहत् हर नागरिक को सूचनाओं के बारे में जानने का अधिकार है। अगर आप सही तरह से सूचनाओं को नहीं रखते है और आपका दस्तावेजों का प्रबंधन करने का तरीका सही नहीं है तो हर कोई आप पर अंगुली उठा सकता है। भविष्य को देखते हुए हमें नई सूचनाओं से अपने आपको अपग्रेड रखना चाहिये। उन्होने बताया कि अभी केशलेश का समय है तथा इसके बारें में हमे जानकारी होनी चाहिए।

आरटीआई विशेषज्ञ डा. कृष्णामूर्ति अतिरिक्त मुख्य अभियंता शिपिंग कारपोरेशन, भारत सरकार ने बताया कि आर टी आई की शुरूआत राजस्थान से ही हुई। सबसे पहले राजस्थान श्रमिक संगठन ने इसे लागू करने की पहल की। इसकी वजह से यह 2005 में अध्यादेश पारित हुआ व पूर्ण रूप से भारत में लागू हुआ। उन्होने बताया कि अगर आपको आर टी आई के बारें में पर्याप्त जानकारी है तो आपको भविष्य में कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा और न ही इससे भयभीत होने की आवश्यकता है। कार्यशाला की शुरूआत में अधिष्ठाता

सी टी ए ई महाविद्यालय प्रो. एस एस राठौड़ ने कार्यशाला में पधारें मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि तथा विभिन्न महाविद्यालयों से पधारें हुए प्राध्यापकों का स्वागत किया। डा. महेश कोठारी ने कार्यशाला के उददे्श्य के बारें में बताया। कार्य शाला के संयोजक डा. लोकेश गुप्ता ने धन्यवाद की रसम अदा की और मंच का संचालन कल्पना जैन ने किया।

**अधिष्ठाता**